

क्षितिज और स्प्रिंगफेस्ट 09: एक नज़र

चमक दमक, टैनक, जोशो-खटोशा और बाहर से आए हुए लोगों की मेहमानवाजी के बीच स्प्रिंगफेस्ट और क्षितिज के 2009 संस्करण भी समाप्त हो गए। जनता के हाथ-भाव से ये कहा जा सकता है कि क्षितिज और स्प्रिंगफेस्ट दोनों ही पसंद किए गए। लोगों ने विशेष रूप से स्प्रिंगफेस्ट को बहुत पसंद किया और कुछेक का तो मानना है कि ये अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्प्रिंगफेस्ट था। क्षितिज भी अपनी अपेक्षाओं पर खरा उतरा।

22 से 25 जनवरी तक चले स्प्रिंगफेस्ट ने निश्चित तौर पर सभां बाँध दिया। कैलिफोर्निया के led-zepllica (जो कि मशहूर led-zeplin का कवर बैंड है) ने पहले ही दिन अपने प्रदर्शन से जोश और जश्न का माहौल तैयार कर दिया जो कि तीन दिन अनवरत कायम रहा। दूसरे दिन extempore और rangoli साथ-साथ starnight में k.k का प्रदर्शन भी यादगार रहा। TOAT भी छोटा पड़ गया और जनता किसी भी कीमत पर हार मानने को तैयार नहीं दिखी। फिर भी कई लोगों को जगह की कमी ने मायूस कर दिया। अगले दिन के कार्यक्रमों में विशेष रूप से fusion fiesta, dance workshop, saregama और kharagshetra उल्लेखनीय रहे। kharagshetra की महिला विजेता को फैमिला मिस इंडिया के सेमीफाईनल में सीधे प्रवेश मिलेगा। पर इन सब के बीच सबसे मंत्रमुग्ध करने वाला प्रदर्शन किया Indian jazz में पंडित विश्वेश दास और उनकी टीम ने। कथक का पाश्चात्य संगीत के साथ पर्यूजन लोगों ने बहुत पड़ा द किया।



कलाकारों का सिर्फ अपने पैरों से संगीत निकालना लोगों को अद्भुत लगा। और आखिर में कवि सम्मेलन और कुमार विश्वास में अपनी भाषा में कहें तो मचा ही दिया। पिछले कई सालों से जनता को रासा आ रहे कवि सम्मेलन में इस बार विशेष रूप से मुंबई हमला छाया रहा। स्प्रिंगफेस्ट में इस बार कई workshops भी आयोजित हुये। इनमें ब्रितिश काउंशिल के द्वारा आयोजित क्रियेटिव राइटिंग workshop विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। 25 चुनी गई कहानियों के छात्र लेखकों को लेखिका दिमी चर्चां ने लेखन के गुरुमंत्र दिए। इस बार स्प्रिंगफेस्ट में 80 कालेजों

गैर शिक्षक कर्मियों द्वारा हड़ताल

विद्यार्थी, शिक्षक, और गैर शिक्षक कर्मी IIT परिवार के अविभाज्य सदस्य हैं। 16 फरवरी को IIT में बिल्डींग के सामने गैर शिक्षक कर्मी सदस्यों ने धरना देकर वर्तमान स्थितियों से असंतुष्टि जाहिर की। आवाज टीम ने उनके हड़ताल के कारण एवं उनके माँगों को जानने की कोशिश की है।

IIT की सर्वोच्च निर्णयक समिति IIT COUNCIL है जिसमें IIT एवं MHRD के सदस्य होते हैं। 30 अप्रैल 1998 तक हर आठ साल बाद गैर शिक्षक कर्मी सदस्यों को प्रोमोशन का लाभ मिलता था जिसे IIT COUNCIL की नई नीति के अनुसार 10 साल कर दिया गया था परंतु 2007 में MHRD (जो IIT परिवार से बाहर की संस्था है) ने नई नीति का ऐलान करते हुए इसे 12 साल कर दिया। गैर शिक्षक कर्मी सदस्यों का कहना है कि IIT से संबंधित निर्णय IIT COUNCIL के अलावा और कोई नहीं ले सकता है। अतः पुरानी नीति का पालन ही उचित है।

IIT के गैर शिक्षक कर्मी दूसरे केंद्रशासित संस्थानों के कर्मचारियों की तुलना में ज्यादा योग्यता प्राप्त होते हैं। IIT के शिक्षक केन्द्रसंचार के Fee कमीशन की

से आए 5000 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पहली स्प्रिंगफेस्ट चैम्पियनशिप NIT दुर्गपुर के हाथ लगी।

क्षितिज के साथ इस बार शुरूआत से ही कई नए और बड़े नाम जुड़ गए थे। इनमें ASME और ASRAE महत्वपूर्ण हैं। 29 जनवरी से 1 फरवरी तक चले क्षितिज ने हमेशा की तरह बुद्धिजीवियों का ध्यान विशेष रूप से आर्कषित किया। guest lecture में कई महत्वपूर्ण हस्तियों जैसे कि नोबेल विजेता (कोमेस्ट्री) कर्ट वुथरिच, अंतरिक्ष वैज्ञानिक किट्टोकर मैके, सुपर कंप्यूटर के जनक फिलिप इमिगवेली,



प्रो चंद्र विक्रमसिंहो और प्रह्लाद ककड़ महत्वपूर्ण हैं। विशेष रूप से एड गुरु प्रह्लाद ककड़ का लोकचर लोगों ने बहुत पसंद किया। प्रो वुथरिच ने जनता से

अपने अनुभव बांटे और सफलता के सूत्र बताये। अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में कनाडा के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुत light painting और स्विंगरलैंड से आए troop द्वारा alphashow-lumin उल्लेखनीय रहे। जनता को शिकायत है laserman-3d का कार्यक्रम 1 घंटे के बजाय बस 10 मिनट ही ने भी लोगों का ध्यान खींचा। कई एक्जीविशन, जैसे कि सोलर रोबोटिक्स और माइंड रीडिंग मशीन भी हुए। एयर शो को लोगों ने जहाँ सराहा वही इससे होने वाले प्रदूषण के खिलाफ मौन प्रदर्शन भी हुए। इसके अलावा क्षितिज में कई ऑन-लाइन प्रतियोगितायें भी हुईं जिनमें नोकिया नेविगेटर, माइक्रोपोर्ट, एक्सकैलिबर और ऐलिक हंटर उल्लेखनीय हैं। अन्य आयोजित प्रतियोगितायें में निर्माण, लॉज ऑफ मोशन, नाइटशिप्ट ने कई कॉलेजों के प्रतिभागियों को आकर्षित किया।

आर्थिक मंदी की वजह से इस बार आयोजकों की कमी होने की आशंका थी। लेकिन थोड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार कोई कमी नहीं होने पाई। स्प्रिंगफेस्ट को Aircel ने Title spons दिया वही wildstone अन्य मुख्य आयोजक रहा। क्षितिज को नोकिया ने Title spons दिया।

अम्त में बाहर से आए मेहमानों और iit की जनता की संतुष्टि क्षितिज और स्प्रिंगफेस्ट की सफलता का प्रमाण है। आर्थिक मंदी के बीच ऐसे आयोजन निस्संदेह सराहनीय कहे जायेंगे। क्षितिज और स्प्रिंगफेस्ट की टीम को आवाज की टीम की तरफ से बधाई है।

सुविधाओं से अधिक सुविधा का लाभ लेते हैं। उनके लिए IIT के अंदर एक Pay समिति बनाई गई है। जब गैर शिक्षक कर्मी सदस्यों ने शिक्षकों को मिल रहे विशेष लाभ पाने के लिए Pay समिति की माँग की तो IIT COUNCIL ने 11 फरवरी 08 को SCIC(Standing Committee of IIT Council) के तहत एक Pay समिति की स्थापना का निर्णय लिया किंतु 2 सितंबर को श्रीमती सीमा राज (निदेशक MHRD) ने समिति बर्खास्त कर दी। गैर शिक्षक कर्मी सदस्य इसका विरोध कर रहे हैं।

इन माँगों को लेकर सारे IITs के गैर शिक्षक कर्मी सदस्यों ने 18 से 20 जनवरी के सम्मेलन में 5 व 6 फरवरी को रैती एवं 16 व 23 से 27 फरवरी को धरना करने का निर्णय लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस विषय की सारी जानकारी IIT प्रशासन को दी गई थी किंतु इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। IITUE के प्रेसिडेंट श्री डी. डी. कर्मांकर और जेनेरल सेकेटरी श्री अरुण गोखलामी ने कहा कि वे विधिविधियों को हानि नहीं पहुँचाना चाहते हैं लेकिन IIT प्रशासन के ठंडे प्रतिवाद के कारण उन्हें Mid sem होते हुए भी यह कदम उठाना पड़ रहा है।

कहान कोई किताब एसी मिले जिसपर दिल लुटा देता हर एक ने दिमाग खाया किस किस को निपटा देते अब सिलेबस देखकर सोचते हैं कि एक महीना और होता तो दुनिया हिला देता



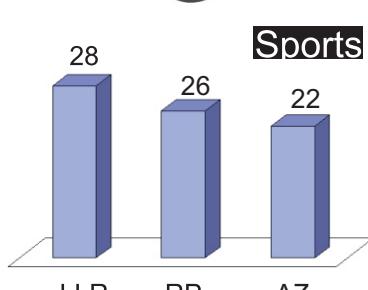
पृष्ठ 2

जैनेसिस 2009

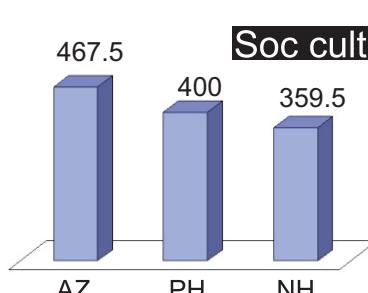
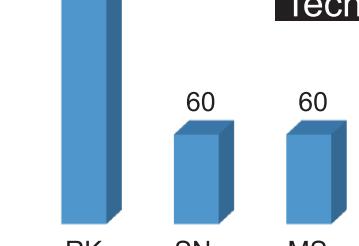


पृष्ठ 5

Slumdog Mania



Tech



पंजी Dude

चौकिए मत! ऐसा ही होता है जब mid sem, valentine's Day के साथ तशरीफ लाता है!



बंचारा पंजी

जेनेसिस 2009

औद्योगिक क्षेत्र में बायोटेकनोलॉजी की बढ़ती मांग को महसुनज़र रखते हुए, उद्योगों एवं शिक्षा संस्थानों में इसकी गहरी भूमिका होना स्वभाविक है।



IIIT खड़गपुर के बायोटेकनोलॉजी विभाग जो कि सभी IIIT's में अपनी तरह का पहला विभाग है, ने अपने वार्षिक फेस्ट 'जेनेसिस 2009' में बौद्धिक युवा वर्ष को इस क्षेत्र के औद्योगिक पहलुओं से परिचिय कराया। पिछले वर्ष अपने पहले आयोजन में ही जेनेसिस लगभग 600 प्रतिभागियों (डायरेक्ट एवं इनडायरेक्ट) के साथ काफी सफल रहा और इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को IGIB, ICGBE, लियांस लाइफ साइंसेज और Vision IPR आदि से आए विशेषज्ञों से रुबरू होने का मौका भी मिला।

इस वर्ष भी जेनेसिस ने अपनी सफलता को अधिक प्रतिभागियों के साथ

सफलता की सीढ़ीयाँ चढ़ता Bitwise

8 फरवरी 2009 को संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा Bitwise के 9वें संस्करण का आयोजन हुआ। Bitwise 2009 के बाद इसकी पहुँच 93 देशों तक पहुँच गई जो कि साराहनीय है। Bitwise 2009 में लगभग 50 देशों से 2700 टीमों ने हिस्सा लिया जो अभी तक किसी भी वर्ष से ज्यादा है। पहले स्थान पर सिंगुआ यूनिवर्सिटी (चीन) की ACRush नामक टीम रही, वहीं दूसरा स्थान फुडान यूनिवर्सिटी (चीन) की HeavenHell को मिला। तीसरे स्थान पर क्रोएशिया की यूनिवर्सिटी ऑफ Zagreb की Zuza_i_Kala की टीम रही। यह पहली बार हुआ है कि चीन की किसी टीम को Bitwise में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। पिछले दो साल से प्रथम स्थान पर रहने वाली ट्रीडेन की टीम Two-Headed को 8वें स्थान से संतोष करना पड़ा। खास बात यह रही कि इस वर्ष शिखर स्थानों पर चीन का दबदबा रहा। पहले दस स्थानों में सात टीमें चीन की थीं। वहीं भारत का अंक ट्रालिका में 20वाँ स्थान से IIIT हैदराबाद की टीम TheKingsGambit से खाता खुला। IIIT खड़गपुर की सबसे अच्छी टीम jekyllandhyde को 27वें स्थान से संतुष्ट

Highlights Bitwise 2009

- प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम ACRush का प्रसिद्ध कोडिंग प्रतियोगिता टॉपकोडर में दूसरा स्थान प्राप्त है।
- प्रतियोगिता के दौरान दो टीमों को एक जैसे कोड जमा करने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया।
- हर बार एक नई theme पर आधारित रहने वाले problems, इस बार डगलस एडम्स की बहुप्रसिद्ध novel "The Hitchhiker's Guide to the Galaxy" पर आधारित थे।
- प्रतियोगियों को प्रक्रियाओं से अवगत कराने के लिए प्रतियोगिता से एक दिन पहले dummy Bitwise का आयोजन किया गया।

डिबैट क्लब

डिबैट में रुचि रखनेवाले IIIT खड़गपुर के कुछ छात्रों ने टेकनॉलॉजी लिटरी सोसायटी (TLS) की मदद से खड़गपुर डिबैट क्लब का स्थापन किया। इन छात्रों ने एक ऐसा संवेदात्मक समृद्ध स्थापित किया है जिसका उद्देश्य छात्रों में डिबैट के विभिन्न पहचतियों का ज्ञान कराना, उनमें डिबैट के प्रति उल्लास जगाना तथा ज़रूरी प्रौद्योगिकी का ज्ञान कराना है।

इस क्लब ने हाल के IIM बंगलौर के parliamentary debate में IIIT खड़गपुर की तरफ से दो छात्रों प्रतियोगी शागुन प्रकाश और सुमीत मोहन्ती को भेजा। इस टीम ने प्रथम राऊंड में IIM कलकत्ता की टीम को हराया पर दूसरे राऊंड में उन्हें delhi law school के विण्ड्ह बाट का सामना पड़ा। Xavier's parliamentary debate (19 - 21 फरवरी) में भी यह क्लब अपनी टीम भेजने वाली है। SF में इस क्लब ने parliamentary debate का सफल आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में IIIT खड़गपुर, जादवपुर विश्वविद्यालय तथा NIT दुर्गापुर ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह क्लब IIIT खड़गपुर के छात्रों के लिए DOUBLE TAKE नामक प्रतियोगिता का आयोजन करने वाली है। इस क्लब की नियत मीटिंग्स होती हैं। क्लब के स्थापन में पांचवीं वर्षीय छात्र निशांत बिल्ला और हिमांगशु हजारिका एवं TLS का विशेष योगदान रहा है। अधिक जानकारी या क्लब का भाग बनने के लिए संपर्क करें - श्री मालिनी - asrimalini@gmail.com - 9932573585, भारकर शर्मा - bhaskar.changed@gmail.com - 9932573297 या लॉगॉन करें - <http://groups.google.co.in/group.kgpdebaters>

नई ऊँचाई है। विभिन्न संवादात्मक सेशन्स को प्रतिभागियों और IGB, कोलकता यूनिवर्सिटी, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी आदि के विशेषज्ञों ने काफी साराहा। सभी इवेन्ट्स में बायोटेकनोलॉजी विभाग में रक्षणा एवं Issues ऑफ Entrepreneurship पर हुआ विवेचन विशिष्ट रहा।

- प्रतिभागियों की संख्या (डायरेक्ट एवं इनडायरेक्ट) ~ 600
- सावधिक लोकप्रिय इवेन्ट्स -- बायोटेकनोवेशन (पेपर और पोस्टर प्रेज़ेन्टेशन), किंज़ प्रतियोगिता, स्टेंड प्वान्झट (डिबैट कॉम्पिटिशन)
- मुख्य प्रायोजक - चॉकेम फार्मास्यूटिकल्स, अमित बायोटेक, बायोटेक्नोलॉजी
- मुख्य अतिथि - धृबज्योति चट्टोपाध्याय -- प्रो वाइस चांसलर, कोलकता यूनिवर्सिटी

जेनेसिस 2009 के अध्यक्ष प्रो. ए.के.घोष एवं चेयरमेन प्रो. आर.के.सोन ने फेस्ट के समापन पर आयोजक दल को उनके सफल आयोजन पर बधाईयाँ दी और प्रतिभागियों ने भी भविष्य में जेनेसिस में रुचि बनाए रखने के लिए कठिबद्धता जताई।

Bitwise 2009

रहना पड़ा। भारत का खनाब प्रदर्शन यहाँ उच्चतम coders की कमी से ज्यादा Bitwise की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती रखाति को दर्शाता है।

Bitwise की शुरुआत 2001 में प्राफेसर्स की मदद से संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के चतुर्थ वर्षीय छात्रों ने शुरू की थी। तब से अब तक का सफर काफी साराहनीय और उत्साहवर्धक रहा है। सर्वी मायर्नों में कहा जाए तो यही IIIT खड़गपुर का एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय Fest है। 12 घंटे चलने वाली प्रतियोगिता में प्रतियोगियों को 10 बहतरीन problems के लिए C/C++ में कोड लिखना होता है, जिसकी जाँच न सिर्फ accuracy बल्कि algorithmic complexity के आधार पर भी किया जाता है। Bitwise का एक मुख्य आकर्षण Enigma है, जो मुख्य प्रतियोगिता से कुछ दिन पहले शुरू हो जाता है जहाँ प्रतियोगियों को संगणक विज्ञान की पहेलियों को ही डॉक्यूमेंट करना है।

| स्थान | टीम | देश | जीत की राशि |
|---------|-------------|-----------|-------------|
| प्रथम | ACRush | चीन | 40000 रु |
| द्वितीय | HeavenHell | चीन | 25000 रु |
| तृतीय | Zuza_i_Kala | क्रोएशिया | 15000 रु |

बारह टीमों ने पहेलियों के जाल को तोड़ा।

Bitwise 2009 के सफल आयोजन के लिए हम BitWise की टीम को बधाईयाँ देते हैं, और आशा करते हैं कि आने वाले वर्ष में Bitwise सफलता की नई ऊर्जाओं को छुआ और चीनी भाइयों को मात देते हुए कोई भारतीय टीम प्रथम स्थान प्राप्त करे।

Where The Hell In KGP

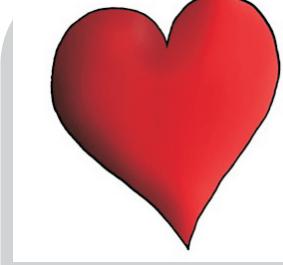
एक विडियो जो कि हर Kgpian के ऑरकूट प्रोफाइल या कम्प्यूटर में देखा जा सकता है। 'Where the hell is Matt' से प्रेरित यह विडियो सरबजीत सिंह और ETMS का ग्रोडक्षन है। इस विडियो में रवीन्द्र संगीत के एक गाने 'प्राण' को गाया गया है। सर्क का यह विडियो खड़गपुर की जनता में काफी तेजी से लोकप्रिय हुआ है। इसमें IIIT Kgp के सभी छात्रावासो Departments से लेकर Veggies एवं टिक्का तक को दिखाया गया है। विडियो में दिखाये गए विभिन्न दृश्य बरक्स ही हमारे दिल को छू जाते हैं। हरेक Kgpian की भावनाओं से जुड़ा हुआ यह विडियो केजीपी कल्चर को दर्शाता है।

इसकी लोकप्रियता के बड़ते हुए ग्राफ को देखते हुए तो यही कहा जा सकता है कि यह विडियो वर्षी तक या यूँ कहे कि दशकों तक हमारे दिलों पर राज करने वाला है। यह सिर्फ विद्यार्थियों के बीच ही लोकप्रिय नहीं हुआ है बल्कि Alumni भी इससे खासे प्रभावित हुए हैं। तभी तो सरबजीत और उसकी टीम को इस अभूतपूर्व कृति के लिए यू ट्यूब पर लगातार धन्यवाद मिल रहे हैं। यह विडियो Alumni को उनके कॉलेज के सुनहरे पलों को तरों ताजा करने बाला है। हम सबको सर्ड एवं ETMS को इस शानदार प्रत्युति के लिए सच्चे दिल से आभार व्यक्त करना चाहिए।

आलस

हमारे देश में दो वर्ष के लोग हैं, एक आलसी और दूसरे महाआलसी। आलस का बड़ा भाई सरकारी काम के नाम से जाना जाता है। अब देखिए ना, पहली बात कि सरकार कोई अच्छा काम करती नहीं और अगर करना भी चाहे तो अगले चुनाव तक आलस कर जाती है। अगर शुरू कर दिया तो कब खत्म होगा ये सोच सोच कर जनता को भी आलस आ जाता है। विधायक चुन लिए जाने के बाद चुनाव क्षेत्र में जाते हैं। आलस से लगाव की वजह से हमर्स से ज्यादातर सरकारी नौकरी की चाह रखते हैं और सरकारी दमाद बनने के बाद तो कुछ कहने की बच ही नहीं जाता है। खैर इस देश की सरकारों का कोई कुछ कर पाया है क्या जो हम कर पाएँगे। अब हम जरा अपने देश की मलाईका(cream) जिक्र करते हैं।

हमें ही देख लीजिए आलस कर-कर के पहला सेम निकाल दिया कि चलो अगले सेम में सभी को देख लेंगे। सुबह उठने में आलस होता था क्योंकि रात को आलस की वजह से कमरे में देर से लौटते थे। अगर उठ गये तो “कौन रोज रोज नहाएगा” जैसे मनो भावों के साथ Axe का डब्बा घुमाते रहते पर ये नश्वर वर्च्चु कब तक साथ निभाएगी? हारकर कभी न कभी रुनानगृह के दर्शन हो ही जाते थे।



युवा वर्ग अगर वर्ष में किसी माह की प्रतीक्षा करता है तो वे ही फरवरी। क्योंकि यह माह अपने साथ लाता है प्यार एवं गुलाबों का मौसम। जी हाँ, अब तक तो आपकी बत्ती जल ही गयी होगी हम चर्चा कर रहे हैं वेलेन्टाइंस के एवं रोज के की।

अब इस दिन की तैयारियाँ तो लोग महीनों पहले से प्रारंभ कर देते हैं। लड़कों के लिये तो समस्या होती है एक एसी एकांत जगह ढूँढ़ना जहाँ वे अपनी जीएफ के साथ first कर सकें। अब लड़कियाँ भी तो वहाँ जाना चाहती है जहाँ मीडिया के कैमरे न पहुँचे, आखिर उनके भाई या फिर उनके एक्स बीएफ (जो कि अब भाई है) ने देख लिया तो? अब अगर आज तक से बच भी गए तो माननीय बाल ताकरे जी एवं बजरंग दल से कौन बचाएगा?

चलिये ये तो बातें हुई बड़े बड़े शाहरों की, आइए जानते हैं की देश की सबसे टेक्निकल जनता यानि कि हम KGPians इस मोहब्बत सेभरे पर्व पर क्या करने की सोच रहे हैं? अब क्या कहे, हमारे KGP के बांदे तो बहुत लोड में हैं क्योंकि उनके साथ तो डेट पे जाने के लिये अभी तक कोई बंदी भी तैयार नहीं हुई!! अब क्या करें? यहाँ का सेक्स रेशियो ही कुछ एसा दर्दनाक है। तभी तो हमारे यहाँ के जागरूक बंदे माननीय एचआरटी मिनिस्टर श्री अर्जुन चिंह जी के हर निर्णय में उनका पूरा समर्थन देते हैं एवं उनसे बिनती करते हैं कि ||T में शीघ्र ही पचास प्रतिशत Women's reservation लागू किया जाए।

अब आप ये सोच रहे होंगे कि यहाँ पे कुछ किस्मत वाले बंदों कि बंदिया भी तो हैं!! परंतु उन्हे भी कोई पीस नहीं है। अब KGP में ले जाए भी तो कहाँ? टिक्का ले जायेंगे तो जीएफ पे हृष्पेशन खराब होगा और ज्यादा महँगी जगह

वैलेन्टाइंस के कैप्टैनजू

तो afford कर नहीं सकते आखिर अभी अभी SF और KTJ में ATM account जो खाली हो गया।

अजी KGP में तो गुलाब जुगाइने के लिये भी कितनी fight मारनी पड़ती है। अतः हमारे VP महोदय से हमारी बिनती है कि कम से कम वीडे पर तो बगीचों से फूल तोड़ने की अनुमति मिलानी चाहिए या फिर SN के बाहर गुलाब की दुकानें लगानी चाहिए।

अब बहुत कर ली यहाँ के डेस्पो बंदों की चर्चा, आइए अब हम मरगू प्रजाति के सपनों पर रोशनी डालते हैं। इस बार तो उन्होंने ठान ली है कि वे इस मरगू टैग से छुटकारा पाएँगे। ज़रा सोचिए कैसे? अरे! किसी मरगू बंदी के साथ डेट पे जाकर। आखिर एक मरगू बंदा और बंदी डेट पे गए तो क्या करेंगे? वहाँ पर भी मर्गेंगे। YO मरगू!!

जगह और बंदी की समस्या सुलझ भी गयी तो पहनने के लिये बी तो हर बंदा काला और हर बंदी लाल जुगाइ रही है। आखिरकार हर लड़का किंग खान और हर लड़की मिस रूनिवर्स जो दिखाना चाहती है।

परंतु इस साल हमारे प्रोफेसर्स बड़े दुखी हैं। अब वीडे शनिवार को जो आ रहा है! जो थोड़ी बहुत जनता एक दूसरे को प्रो मारने के आस में कक्षा चली आती थी, अब तो वो भी नहीं आएगी।

अब क्या करे जी? इस दुनिया में कोई भी तो संतुष्ट नहीं है। परंतु अंत में हम बस राज ठाकरे जी एवं उनके चैलों से यही लिवेदन करना चाहते हैं कि आप ज़रा देश को एकजुट करने का प्रयास कीजिए नाकि दो प्रेमियों को अलग करने का।



मेस का टेढा चम्मच

दुनिया में कई चीजें टेढ़ी हैं। लिंगजा इलियट की कवितायें, जिन्दगी के चारों ओर, इम्पीटीकल फार्मूले, सियासत के पैंच वर्गीय वर्गीय। कई जगहों पर खत्म चत्ते दिवस पर जलेबियाँ बँटती हैं। ये प्रचलन किसी घनघोर देशभक्त ने चलाया होगा जिससे कि जनता ये न भूले कि चाशनी में लिपटी जो चीज़ (वाटे) हमें मिल रही है, वो भी टेढ़ी है। खैर साब! टेढ़ी तो दुनियाँ ही हैं सुनने में आया है कि जिस वैज्ञानिक ने पहली बार खोजा था कि दुनियाँ गोल हैं उसे बड़ी धमकियाँ मिली थीं (अच्छा किया था, खामोश दुनियाँ के टेढ़ेपन को गोल कर रहा था!)।

ऐसे ही हमारे मेस का एक चम्मच टेढा है। वैसे तो इसमें कोई खास टेढ़ी बात नहीं लेकिन मुझे उसके टेढ़ेपन में कई बातें नजर आईं। ये टेढ़ेपन प्रतीक हैं मैलों लम्बी लाइनों का जो छोटे से मेस में कई टेढ़े-मेढ़े आकार ले लेती है। ये टेढ़ापन प्रतीक हैं उन रानियों का

जिनके आकार से प्रतीत होता है कि काई देशभक्त बावर्चि भारत का नक्शा बताने की कोशिश कर रहा हो और मुंबई हमले जैसे भारत का दिल जलाया है वैसी ही कारिगरी वो रोटियों पर दिखाकर अपना विरोध प्रकट कर रहा हो। खैर साब! रोज के बेचारा चम्मच अपने टेढ़ेपन की कूपा से अपेक्षित पड़ा रहता था। तो एक रोज मैंने उसे उठाया और सलाह दी कि वन्स! दुनिया चम्मचों की नहीं चम्मचों की है, इसलिये ये टेढ़ापन छोड़ और चम्मचा बन। बस अगले दिन मैंने सुबह-सुबह उस चम्मच को मक्खन से लिपटा पाया। उसके लिए ऐसी मारा-मारी हो रही थी जैसे मेस नहीं संसद हो। क्या जमाना आ गया है साब! सबकुछ मक्खन बाजी पर चलता है। आजकल वो लोगों को मक्खन लगाओ भी मत बस दिखा दो आपके सारे दोष माफ।

यहाँ मौसम ने अपना मिजाज़ बदल कर वसंत ऋतु का आगमन किया।

वर्ही अपना कैम्पस भी कुछ बदला-बदला सा नजर आया। पिछले एक माह की प्रमुख खबरों के लेखे-जोखे के साथ आवाज़ अपने पाठकों के सम्मुख इस सेमेस्टर का द्वितीय अंक प्रस्तुत करता है।

अकादमिक वर्ष का दूसरा सेमेस्टर हर Kgpian के लिए कुछ विशेष होता है। कारण : इस सेमेस्टर होने वाले दो फेर्स्ट-स्प्रिंगफेर्स्ट और क्षितिज। निसंदेह साराहना करनी होगी स्प्रिंगफेर्स्ट की टीम का जिन्होंने पिछले वर्ष के लगभग फ्लॉप रहे स्प्रिंगफेर्स्ट से सबक लेकर इस वर्ष फेर्स्ट का सफलतापूर्वक आयोजन कराया। हालांकि स्प्रिंगफेर्स्ट की इस वर्ष की थीम 'एल डोर्टो' का प्रत्यक्षिकरण जो किसी को Kgp लिंगो में 'चमकी' ही नहीं तथा अत्यधिक प्रचारित कार्य क्रम 'खड़गक्षेत्र' अपने दावों पर खरा ना उतारा वर्ही केके के गायन ने पूरे कैम्पस को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वर्ही इस वर्ष क्षितिज का आयोजन हर बार की तरह ही सफलतापूर्वक हुआ। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि क्षितिज इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए तकनीकी तथा मैनेजमेंट से सांबंधित कार्यक्रमों का कुम्भ और हज जैसा महात्व रखता है। परंतु एक बात इस वर्ष देखने में आयी है कि क्षितिज साल दर साल नीरस सा होता जा रहा है। क्षितिज के प्रमुख कार्यक्रमों पर अगर नज़र दौड़ायी जाए तो एक ही तरह के 3 लाईट शो के आयोजन पर प्रश्न उठता है। इसके विपरीत प्रहलाद कक्षक का व्याख्यान काफी अच्छा रहा तथा इंजिन जैज सूट की सभी ने भूती-भूती प्रशंसा की।

यह विचार करने योग्य बात है कि ऐसा क्यों है कि हमारे ही कालेज के फेर्स्ट में सबसे कम भाग हम लेते हैं? आखिर इन दोनों ही फेर्स्ट में ऐसा क्या अधूरा छूट गया है कि ये हमें अपने कमरों से बाहर खींच नहीं पाते? हर बार सिर्फ कच्चों में ही फेर्स्ट को लेकर क्यों उत्साह दिखाई देता है?

बात संपादक की

देखा जाए तो इन सवालों का उत्तर हमें जनता की मानसिकता तथा फेर्स्ट के आयोजन दोनों से ही मिलते हैं। जनता इन फेर्स्ट को आराम फरमाने की छुट्टी मात्र समझती है। उसे सैंट्रीफ्यूज़ से ज्यादा कमरे पर मूरी देखना पसंद है। निश्चय ही हमने अंग्रेज़ी के 'पीस' शब्द का पूर्णांश अपने अंदर समावेश कर लिया है। उधर क्षितिज में आयोजित होने वाले अत्यंत दूभर और कठिन ईवेंट्स के विवरण सुनकर ही अधिकतर जनता यह मान लेती है कि यह तो हमारे बस की बात है ही नहीं। इस प्रकार जनता में इनको लेकर कोई जोश नहीं दिखता। अतः यह दोनों ही फेर्स्ट की छात्र टीमों के सम्मुख चुनौती है कि वे कैसे जनता में इनको लेकर रुचि पैदा करें?

अब कैम्पस के बाहर थोड़ा देखा जाए तो 'वैलेंटाइंस डे' की भारतीय सम्भवता से कोई

सारोकार ना होने के तथा के लेकर 'श्री राम सेना' द्वारा सर्वेआम उत्पात मचाना सुखीर्यों में रहेगा। 'सत्यम्' में पकड़ा गया सौकड़ों करोड़ का घोटाला, ओबामा का अमरीकी राष्ट्रपति के पद का शापथ लेना, गाज़ा पट्टी में इज़राइल का हमला, नडाल का आल्ट्रेनियन औपन का खिताब जीतना तथा 'स्लमडॉग मिलियनेयर' का 'गोल्डन ग्लोब' तथा 'बापता' में धूम मचाना विशेष खबरे रहेंगी।

इस प्रकार हम अपने पाठकों को मिडसेम के लिए शुभकामनाएं देते हुए अगले माह पुनः रुक्क लेने के बादे के साथ अलविदा लेते हैं।
जय हिन्द।

आंवाज़

छोटी-छोटी मगर मोटी बातें

हठो ... क्या तुमने

इसकी

expiry date देखी है!



आवाज़ टीम

मुख्य संपादकः कुमार अभिनव

संपादकः विकास कुमार, पंकज कुमार सोनी, सुरेंद्र केसरी, सुमित सिंहल, अभिनव प्रसाद

साह-संपादकः अनुभव प्रताप सिंह

सीनियर रिपोर्टरः अविमुक्तेश भारद्वाज

रिपोर्टरः आशुतोष कुमार मिश्रा, आदित्य मणि झा, मनोज कुमार, सोनल श्रीवास्तव, दामिनी गुप्ता, अंकिता मंगल, मयंक कुमार सिंह, अमोल दयानंद सावंत, अमन कुमार, सुशील जनियर रिपोर्टरः मधुसूदन शर्मा, रवाति दास, निषा शर्मा, अभिषेक मीना, निधि हरयानी, प्रतिक भारकर, अनुराग कटियार

वेबः आकाश दीप, सिद्धार्थ दोशी, सुकेश कुमार

GOYAL INFOTECH

one step solution to ..



Laptop series

Purchase & Repairing



External Hard Disk

Laptop: Seagate, Maxtor Transcend

Desktop: Seagate, Maxtor, WD



CALL / DROP AN E-MAIL FOR ALL YOUR QUERIES REGARDING :

Models # Pricing options # Technical Help # Repairing solutions # Quotations

goyalinfotech@gmail.com , 9932481415.

फूल खिले हैं गुलशन गुलशन

V-Day तो एक बहाना है, अगर आपका कोई खूबसूरत दोस्त हो तो आपको यह जरूर लगता होगा कि “फूल खिले हैं गुलशन गुलशन”। इसी सवाल को लेकर जब हमारी टीम ने गौर फर्माया (जिनमें से कुछ के मन में यह भाव अकसर उठते हैं) तो महसूस हुआ कि वास्तव में बगिचों में सुधार नजर आया है। जब इस सुधार के बारे में हमने तहकिकात की तो हमें पता लगा कि इन उदानों की देखभाल उदान-विद्या विभाग करता है। इसकी स्थापना IIT के साथ ही हुई थी।

हो सकता है आपने उदान-विद्या विभाग का नाम न सुना हो पर यह नेताजी के पीछे रिथित है और तभी से IIT की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कार्य कर रहा है। उदान विभाग के अनुसार बाग तो पहले से Kgp में थे पर इतने बड़े पैमाने पर नहीं। सिर्फ की ही बात है S.C.Kundu ने बागड़ीर संभाली बदलाव देखने तकाशिला, और इस्टी के अब एक लाँच देखने को मिलता है वहाँके बाग कुड़ा, मिट्टी और बंजर हुआ करते थे। कई कोशिशों के बाद अब वहाँ सुंदर लाँच आये हैं जहाँ SF और KTJ के दौरान



4 साल पहले जाहा पुर्वी विभाग की ओर तब से कई को मिले। विकमशिला में सामने जहाँ

अंग्रेजी निर्देशक Danny Boyle की बहुचर्चित फिल्म “Slumdog Millionaire” ने Golden Globes पर अपनी छाप छोड़ने के बाद Oscars में 10 नामांकन प्राप्त किए हैं। मामूली से बजट पर बनाए जानी गाली एक ऐंगलो इंडियन फिल्म ने, जिसमें ज़्यादातर मुख्य किरदार निभाने वाले अभिनेता पहली बार रूपहले पर्फूम पर नजर आ रहे हैं, इस अप्रत्याशित सफलता को हासिल की है। ज़ाहिर सी बात है कि यह तो लोग कहेंगे ही!

इस आलोचना की शुरुआत हुई “Big B” अभिनाम बच्चन की एक blog entry से। उनका यह मानना था कि यदि इसी प्रकार की फिल्म भारतीय निर्माता निर्देशक बनाते तो शायद उसकी इतनी तारीफ नहीं होती। इसपर वाद विवाद का सैलाब उमड़ आया।

लोगों का यह भी कहना था कि Slumdog भारत की गरीबी तथा लाचारी को glamourize कर विरेशी समीक्षकों का दिल जीता चाहती है। “Poverty pron” जैसे अजीबोगरीब शब्दों का इस्तेमाल किया गया।



इनसे क्या कहें?

Women & child development minister रेणुका चौधरी ने बंगलूरु में ‘पब भरो’ आंदोलन का आवाहन किया है। यह आंदोलन उत्तर होगा श्री रामसेना द्वारा मैंगलोर के एक पब में लाइकियों के साथ हुई बदलावकी का। श्रीमती रेणुका चौधरी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपना पक्ष रखने के लिए वे पर्बों को भर दें और इस सातिक लोगों को सबक सिखाएँ। रेणुका जी, लगता है आप ख्वतंत्रता संग्राम के ‘जेल भरो’ नारे से प्रभावित हैं, क्योंकि इस सेना से निबटने के दूसरे अधिक प्रभावी तरीके हो सकते हैं किंतु आपका ‘पब भरो’ आंदोलन तो बिल्कुल भी उचित समाधान नहीं है।

DC TOP 5

1. Sideways(film)
2. My Blueberry Nights(film)
3. Swamp Thing(comics)
4. Undiscovered- Walt Disney World(documentary)
5. Battlestar Galactica(TV Series)

1 ओपन, 2 रसैम!

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारतीय टेनिस को दो-दो खिताब मिले। महेश भूषण और सानिया मिर्जा ने मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। सानिया के लिए ये पहला रसैम था, महेश ने डबल्स खिताब जीतने की आदत लगा रखी है। गौरतलब है कि चोट के कारण महीनों तक खेल से बाहर रहने वाली सानिया के लिए ये कमरैक रसैम था।

इसके अलावा 16 वर्षीय युकी भांबरी ने बांयज़ सिंगल्स का खिताब जीता। भारत के लिए ऐसा पहले तिएंटर पेस ने किया था। क्या ये भारतीय टेनिस के स्वर्णिम काल का प्रारंभ है?

कई पंछी आराम करते नजर आए और अब भी कुछ मंडराते नजर आ जाते हैं। उद्यान विभाग ने मैन बिल्डिंग तक्षशिला, Nehru museum, B.C.Roy, निर्देशक का बंगला तथा अभी हाल ही में SN, IG, JCB, RLB की जिम्मेदारी ली है।

पानी कि समस्या को ध्यान में रखते हुए Sprinklers तथा उदान के लिए दो विशेष बोर वेल खोदे गए। बगिचों में कुच पौधे मासिक हैं और कुछ 20 साल तक रहेंगे। इनमें से कुछ थाईलैंड, अमेरिका, हॉलैंड, आदि से आयात किये गए हैं। करीब 30-40 प्रजातियों के पौधे Kgp में अपको नजर आएंगे। परंतु सड़क के किनारे जो बंजर जमीन है उसको सूधारने में पानी की कमी और जानवर के चरने की समस्या है। लेकिन जल्द ही वहाँ भी हरियाली छा जायेगी। उदान विद्या विभाग ने सब को चेतावनी दी कि V-Day के दिन पुष्प न ठोड़े। पर उन्हीं के कारण IIT में एक प्रशांत और सुंदर बातावरण देखने को मिलता है।

वैसे तो हमारे अलुमिन ने कई बड़े काम किए ही हैं पर देखने की बात है कि अब इन पेड़ों के निचे बैठकर कौन न्यूटन बनेगा, कौन शायर तो कौन लेखक बनेगा, कौन मिश्रित पाली करेगा पर ना जाने कितने लोग इन बगिचों में अपने सपने देखेंगे और कितने ही दोस्त अपने चंद लम्हों को और भी खूबसूरत बनायेंगे। हमने यह प्रयत्न भी किया था कि गार्डनिंग पर एक छोटा सा कोर्स हो या NSS में इसे सिखाया जाए ताकि इन चीजों में रुचि रखने वाले अपनी प्रतिभा को और बढ़ावा दे सकें।

Slumdog Mania

निजी तौर पर मेरा यह मानना है कि ऐसे लोग या तो इस बात से अनभिज्ञ हैं कि भारत में ऐसी गरीबी होती है या फिर वे अपनी मानसिक शांति के लिए इस सच को जहन में कहीं दबा कर रखते हैं।

इस बात में कोई दो मत नहीं है कि Slumdog के लिए hype आसामान छूता नजर आ रहा है। “Feel-good film of the decade” के नाम से इसे नवाज़ा गया। हो सकता कि Slumdog इन खिताबों के लायक न हो। किंतु PR और hype के इस सिलसिले से आज कोई भी लोकप्रिय फिल्म जुदा नहीं है।

ऐसे में Slumdog को single out करना मेरी राय में ज़्यादती है। Slumdog बॉलीवुड और हॉलीवुड का एक बेहद दिलचस्प संगम है। फिजूल के वाद विवाद में पड़ने से कहीं हम फिल्म की spirit को भूला न जाएँ।

एक पहलू ऐसा भी

ऑस्ट्रेलियन ओपन जूनियर चैम्पियनशिप जीतकर भारतीय टैनिस खिलाड़ी यूकी भांबरी विश्व के नम्बर 1 जूनियर खिलाड़ी बन गए हैं। 16 वर्षीय यूकी ने मात्र 57 मिनटों में जर्मनी के Alexandros-Ferdinandos-Georgondas को 6-3,6-1 से फाईनल में हराकर खिताब अपने नाम किया। नई दिल्ली में उन्हें All India Tennis Association(AITA) और Delhi Development Authority(DDA) द्वारा सम्मानित किया गया और उनका उज्ज्वल भविष्य बनाने में पूरा समर्थन करने का आश्वाशन भी दिया।



कोलकाता बुक फेयर की वापसी

पूरे देश के बुद्धिजीवियों के लिए कोलकाता बुक फेयर साल के सबसे महात्वपूर्ण इवेन्ट्स में से एक होता है। पिछले साल जब मेला रद्द हो गया था, पुस्तक-प्रेमियों ने इसकी कड़ी आलोचना की थी।

पर इस साल मेले की वापसी हुई एक नए वेन्यू के साथ, और एक नई थीम के साथ - रक्कांटलैंड। सुप्रियोग्द लेखक एलेक्झैड लैम्बर्ट और लैम्बर्ट लैम्बर्ट ने का उद्घाटन किया। 300 से भी ज़्यादा रस्टॉल्स, जिनमें अमरीका, रक्कांटलैंड, स्वीडन, बॉलादेश जैसे देशों की रस्टॉल्स भी थीं।

मेले के आखिरी दिनों में लेखक डॉग्निक लेपियर की जौजूदगी ने समारोह में चार चाँद लगा दिए। कोलकाता पुस्तक मेले की वापसी धूमधाम से हुई - पहले से बड़ा और बेहतर।

IIT में माईक्रोसॉफ्ट लॉ रकूल!



IIT खड़गपुर ने राजीव गांधी बौद्धिक-अधिकार विद्या (R.G.S.I.P.L) रकूल में 'माई क्रो सॉफ्ट सॉल्यूशन्स' की शुरूआत 3 फरवरी को की। माईक्रोसॉफ्ट के लोकनीति डायरेक्टर, श्री अंखी दास ने बताया कि 'हमने IIT खड़गपुर से साहबद्धता करने का फैसला किया है क्योंकि यही भारत में एकमात्र ऐसा संस्थान है जो बौद्धिक-अधिकार के दोनों पहलुओं (प्रौद्योगिकी तथा विद्या) की शिक्षा प्रदान करता है।' फिलाइल इस गठजोड़ का काल तीन वर्ष निर्धारित किया गया है। जिसके दौरान कुल 66 लाख का निवेश उत्कृष्ट शोध पर किया जाएगा।

जी.एस.सान्याल रकूल और वोडाफोन ने मिलाए हाथ

जी.एस. सान्याल दूरसंचार रकूल ने वोडाफोन के साथ मिलकर 'वोडाफोन एस्सार-सेंटर फॉर एक्सेलेंस इन टेली-कम्यूनीकेशन' की कैम्पस में स्थापना की। इस शोध केंद्र को वोडाफोन द्वारा 12 करोड़ की राशि प्रदान की जा चुकी है। इस शोध केंद्र के प्रमुख प्रो. आर. वी. राजाकुमार ने एक वक्तव्य में बताया कि जी.एस. सान्याल दूरसंचार रकूल ने वोडाफोन के सम्मुख कई शोध प्रस्ताव रखे जिनमें से 8 प्रस्तावों को कम्पनी द्वारा उच्च-प्राथमिकता प्रस्तावों का तरमा मिला। उन्होंने प्रस्तावों का विवरण देते हुए बताया कि इन



विद्यालय प्रस्तावों में से एक भविष्य के निम्न ऊर्जा पर चलने वाले सेल्यूलर सिस्टम पर शोध करना है। जी.एस. सान्याल दूरसंचार रकूल को इस शोध प्रस्तावों पर कार्य करने के लिए 30 शोधकर्मी तथा 20 अतिरिक्त संकाय की आवश्यकता है। वर्तमान में करीब 40 लोग शोधकार्य में कार्यरत हैं।

संस्थान ने शुरू किये नए शिक्षण प्रोग्राम

संस्थान ने परा-रजातक और डॉक्टरेट प्रोग्रामों से संबंधित एक महत्वपूर्ण निर्णय में एकीकृत एम.एस.-पीएच.डी., एम.टेक.- पीएच.डी. तथा एम.एस.सी.-पीएच.डी. प्रोग्रामों की शुरूआत की उद्घोषणा की। साथ ही साथ एक रोचक 'संयुक्त पीएच.डी.' प्रोग्राम की भी घोषणा की जिसके अंतर्गत छात्र IIT खड़गपुर तथा किसी विदेशी संस्थान से संयुक्त डॉक्टरेट डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

IIT में निदेशक श्री मधुसूदन चक्रवर्ती ने डाला आगामी वर्षों में IIT में होने वाले विकास पर प्रकाश।

एक अखबार के दिए गए साक्षात्कार में उप-निदेशक श्री मधुसूदन चक्रवर्ती ने IIT की कार्यनीति का विवरण दिया। 2012 तक अपेक्षित 14000 छात्रों के भर्ती को संभालने के लिए करीब 100 क्लासरूम, 200 ट्यूटोरियल सेंटर तथा दो नए छात्रावासों के निर्माण की योजना है। वहीं संकाय में आरक्षण के कारणवश भविष्य में शिक्षकों के मध्य बढ़ने वाली रहने के स्थल की मांग के अंतर्गत 150 नए फ्लैटों के निर्माण की योजना भी है। वहीं उन्होंने IIT खड़गपुर के शिक्षा तथा शोध केंद्रों के विस्तार के लक्ष्य की प्राप्ति के अंतर्गत 4 नए केंद्रों के स्थापना की घोषणा भी की। ये केंद्र इस प्रकार हैं- स्टील प्रौद्योगिकी केंद्र, सेंटर फॉर एक्सेलेंस इन टेली-कम्यूनीकेशन, उद्यमवृत्ति (Entrepreneurship) केंद्र और अवसंरचना (Infrastructure) परिकल्पना तथा प्रबंधन रकूल।

'चोलबे ना! चोलबे ना!'

IIT फरवरी को IIT ने 'चोलबे ना! चोलबे ना!' तथा 'इंकलाब ज़िंदाबाद!' के नारे सुने। यह सब IIT स्टॉफ यूनियन द्वारा आय-वृद्धि को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान सुनने को मिला। अकादमिक परिसर के गेट पर कर्मचारी तंबू-कनात लिए हुए ज़बरदस्त प्रदर्शन करते हुए नज़र आए। इस हड्डाल के कारण पूरे कैम्पस बेतरतीब नज़र आया। पूरा कैम्पस सफाई न होने के कारण पेड़ों से गिरी सूखी पत्तियाँ से पटा रहा (हालांकि इस दृश्य ने कैम्पस की खुबसुरती को बढ़ाया ही!)।

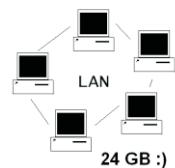


IIT भुवनेश्वर के निर्माण स्थल का उद्घाटन

उड़ीसा की एक उच्च तकनीकी संस्थान के होने की इच्छा तब वास्तविकता प्राप्त करते हुए दिखी जब 12 फरवरी को 1000 करोड़ के IIT भुवनेश्वर की आधारशिला की कानासपाड़ा में स्थापना रखी गई। यह स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग-5 के करीब बर्लनी गिरि के तल पर स्थित है। इसका क्षेत्रफल कुछ 935 एकड़ से अधिक होगा। हालांकि निर्माण स्थल का उद्घाटन श्री अर्जुन सिंह को करना था परंतु खराब रुदाल्य तथा बाढ़ के कारण वे अनुपस्थित रहे। IIT भुवनेश्वर का निर्माण कार्य करीब दो वर्षों में पूर्ण होने की संभावना है। भुवनेश्वर कैंपस की विद्यालय जुलाई 09 से भुवनेश्वर में होने की आशा है। अधिक जानकारी हमारे पाठक भुवनेश्वर की हाल में ही शुरू की गई वेबसाईट <http://www.iitbbs.ac.in> से प्राप्त कर सकते हैं।

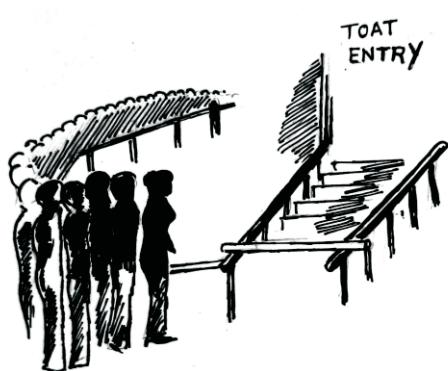
DC ++ से कनैक्ट रहना अब नहीं है 'ईजी'!

अगर आप उन डी.सी. यूज़र्स में से हैं जो बस काम भर का ही शेयर करते हैं तो आपके लिए बुरी खबर। 8 मार्च से हर उस छात्र को, जो DC ++ के फायदे लेना चाहता है, कम से कम 24 जी.बी. शेयर करना होगा।



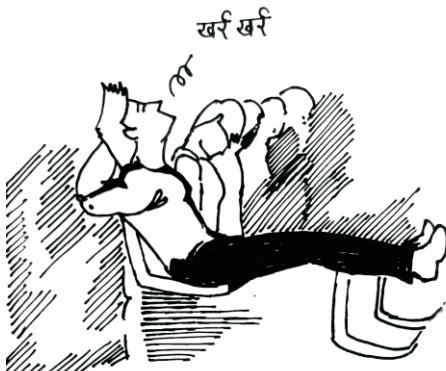
Technology कार्टून कोना

Mega Show - 1



वहां बात है जनता!
Tempo in top gear

Mega Show - 2



Tempo in neutral gear

Mega Show - 3



& Finally
Tempo in reverse gear